ration of India has stressed the need for a tanker berth in Cochin Port to take in larger tankers; and

(b) if so, the details thereof and Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI A. P. SHARMA): (a) Yes.

(b) The Integrated Project for port development which is already under active consideration of Government envisages the construction of a deep-drafted oil tanker berth at Cochin Port.

Payment of Bonus

141. SHRI GEORGE FERNANDES: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether Government intend to extend the scope of settlement entered into between the Railway Ministry and the railwaymen unions on payment of bonus to employees in other establishments and departments of the Government of India;

(b) if so, when; and

(c) if not, why not?

THE MINISTER OF TOURISM & CIVIL AVIATION AND LABOUR (SHRI J. B. PATNAIK): (a) to (c). This question, alongwith other related requests and suggestions, is being examined by Government.

लखनऊ गोरखपुर-छपरा मीटरगेज लाइन का बदला जाना

142. **श्री रामायण राय** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा लखनऊ गोरखपुर-छपरा मीटरगेज रेलवे लाइन को बड़ी लाइन में बदलने की योजना का उद्घाटन किया गया था ;

(ख) यदि हां, तो इसके कब तक पूरा हो जाने की संभावना है ;

(ग) क्या सरकार का विचार छितौनी में गंडक नदी पर पुल के निर्माण कार्य को पुन: आरम्भ करने का है ;

(घ) क्या देवरिया में भटनी रेलवे स्टेशन को बड़ी लाइन द्वारा वाराणसी से जोड़ने का प्रस्ताव है ; और

(ङ) क्या देवरिया नगर में काशीनगर को जाने वाली सड़क पर ऊपरि पुल को शीघ्र पूरा करने के लिये कार्यवाही करने का प्रस्ताव है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ) (क). और (ख) जी हां। लखनऊ से बारांबंकी तक बड़े आमान की लाइन पहले ही मौजूद है। पुर्वोत्तर रेलवे के बारांबंकी गोरखपुर-छपरा-समस्तीपुर मीटर लाइन खंड (582.27 कि० मी०) के आमान-परिवर्तन का काम 1971–72 में अनुमोदित एक निर्माण-कार्य है और यह काम पहले से ही चालू है। समस्तीपुर और सोनपुर के बीच 111 कि० मी० लम्बे खंड के आमान-परिवर्तन का काम पहले ही पूरा हो चुका है और इस खंड को बड़ी लाइन के यातायात के लिये खोल दिया गया है। शेष खड पर निर्माण-कार्य शुरू है और आशा है कि यह परियोजना 1981 के मध्य तक पूरी हो जायेगी।

(ग) गंडक नदी पर पुल के निर्माण सहित छितौनी-बगहा रेल लाइ न के पुन : स्थापन का काम एक अनुमोदित निर्माण कार्य है। चूंकि पुल के मूलत: प्रस्तावित स्थल पर गंडक नदी ने अपना मार्ग बदलकर पश्चिमी तट से पूर्वी तट की ओर कर लिया है, इसलिये पुल और नदी-नियंत्रण संबंधी कार्यों के स्थल को नये सिरे से छानबीन करना अनिवार्य हो गया है। केन्द्रीय जल और बिजली अनसन्धान स्टेशन, पुणे तथा सिंचाई अनुसन्धान संस्थान, रूड़की में अब नये माडल अध्ययन किये जा रहे हैं। दिसम्बर, 1980 में किसी समय माडल अध्ययनों के परिणाम उपलब्ध हो जाने के पश्चात् ही इस पुल के निर्माण संबंधी ब्यौरे और स्थान-निर्धारण के बारे में कोई निर्णय करना संभव होगा।

(घ) वाराणसी-भटनी आमान-परिवर्तन का काम एक अनुमोदित काम है। प्रथम चरण के रूप , इस खंड पर पुर्तीपार पुल का निर्माण कार्य शरू करने का प्रस्ताव है। आगामी कुछ वर्षो के भीतर, बाराबंकी समस्तीपुर और बरौनी-कटिहार परियोजनाओं का काम पूरा हो जाने के बाद, इस आमान-परिवर्तन परियोजना के काम की गति बढ़ायी जा सकती है।

(ङ) देवरिया सिटी में कुशीनगर को जाने वाले प्रस्तावित ऊपरी सड़क पुल के सम्बन्ध में, इस ऊपरी सड़क पुल के स्थान के बारे में अन्तिम रूप से फैसला अभी राज्य सरकार द्वारा किया जाना है।